an>

title: Need to impart vocational education to SCs, STs and the poor students of Govt. Schools.

डॉ. उदित राज **(**उत्तर**-**पश्चिम दिल्ली**) :** माननीय अध्यक्ष जी, मैं आज बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दे की ओर माननीय मंत्री जी का ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा कि गांवों में जो स्कूल हैं और खास तौर से जो प्राइमरी स्कूल्स हैं, उनमें पढ़ाई नाम मात्र की रह गई है। क्वॉलिटी ऑफ टीचर्स बिल्कुल खराब है और उनकी तुलना में पब्लिक स्कूल्स के बच्चों में पढ़ाई का स्तर बहुत है। उसका एक कारण यह भी है कि स्कॉलरशिप उनको जो मिलती भी है तो बाद में मिलती है। इसलिए मेरा सरकार से अनुरोध है कि स्कॉलरशिप शुरु में जैसे ही एडमिशन ले लिया जाता है, 6 महीने की पहले दे दी जाए और ज्वाइंट एकाउंट प्रिंसिपल के साथ खोल दिया जाए और हर महीने या हर तीन महीने बाद उनको दे दी जाए ताकि वे अपनी पढ़ाई कर सकें। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** आपकी बात हो गई है। ज़ीरो ऑवर में इतना लम्बा भाषण नहीं देना होता है।

डॉ. उदित राज**:** दूसरी बात यह है कि दो लाख से ज्यादा जिन पेरेंट्स कि इंकम है, उनके बच्चों को स्कॉलरशिप जैसे नहीं मिल रही है और जैसे ओबीसी की 6 लाख की है तो ऐसे ही 6 लाख की इंकम लिमिट इनकी भी लगाई जाए। तमाम एजुकेशन के लिए पैसा दिया जाता है लेकिन वह पैसा खर्च नहीं किया जाता। यूजीसी का एक उदाहरण मैं देना चाहूंगा,...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** लम्बा भाषण नहीं देते। आपकी बात हो गई है।

डॉ. उदित राज**:** .यूजीसी द्वारा पिछले वर्ष 3 प्रतिशत ही ग्रान्ट दी गई थी क्योंकि यूजीसी ने पहले पैसा खर्च नहीं किया था। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष **:**

श्री भैरों प्रसाद मिश्र को डा. उदित राज जी द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।